



छ. अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह

विदेशी कार्यालयों का परिचालन

दिनांक 31.03.2008 को बैंक के 84 विदेशी कार्यालय थे, जो 32 देशों और सभी समय क्षेत्रों में फैले हुए हैं।

बैंक के विदेशी परिचालनों से निवल लाभ में (50% से अधिक) की शेरधारिता वाली अनुषंगियों एवं संयुक्त उद्यमों सहित) वित्तीय वर्ष के दौरान 84% वृद्धि हुई जो मुख्यतया निवल ग्राहक क्रेडिट में 48% की उल्लेखनीय वृद्धि के कारण हुई।

संसाधन प्रबंधन

ग्लोबल मार्केट में कठिन तरलता की स्थिति जो यूएस सब प्राइम मार्टगेज के कारण पैदा हुई के बावजूद संवृद्धि दर्ज करने में बैंक सफल रहा है। ऐसा प्रारंभिक जमा संग्रहण को महत्व दिए जाने के कारण हुआ जो उतार-चढ़ाव की इस अवधि में अच्छी कही जा सकती है।

अस्थिर एवं चुनौतीपूर्ण वैश्विक बाजार के बावजूद, बैंक ने सफलतापूर्वक मलेशिया के रिंगिट मूल्य वर्ग के बांड बाजार में प्रवेश किया। यह किसी भारतीय उधारकर्ता द्वारा मलेशिया के बाजार में पहला एमवाईआर इश्यू था।

अनिवासी भारतीय व्यवसाय

बैंक के विदेशी कार्यालयों के माध्यम से अनिवासी भारतीयों द्वारा धन प्रेषण में पिछले वर्ष की तुलना में 160% की वृद्धि हुई। वर्ष के दौरान आनलाइन यूएसडी और जीबीडी प्रेषण उत्पाद दोगुना हो गया। देश की चुनिंदा शाखाओं से एसबीआइ नेपाल एक्सप्रेस प्रेषण शुरू किया गया जिससे नेपाल को तेजी से धनप्रेषण किया जा सके।

मार्च 07 में शुरू की गई त्वरित अंतरण धनप्रेषण सुविधा को 18 देशों के 51 विदेशी कार्यालयों में विस्तारित किया गया। इंटरनेट युक्त तत्काल अंतरण नेपाल और बहरीन कार्यालयों में शुरू किया गया जो जल्द ही अन्य देशों में शुरू किया जाएगा।

मध्य पूर्व में बैंक की पहुंच बढ़ाने तथा धनप्रेषण व्यवसाय बढ़ाने के लिए ओमान और यूएई में दो एक्सचेंज कंपनियों से किए गए गठजोड़ को क्रियाशील किया गया। इसके अलावा, सउदी-अरब से धनप्रेषण के लिए अरब नेशनल बैंक के साथ वर्ष 2007-2008 में गठजोड़ किया गया।

समुद्रपारीय विस्तार

भारतीय स्टेट बैंक को भारत का पहला बैंक बनने का गौरव प्राप्त हुआ जिसे मानिटरी अथॉरिटी आफ सिंगापुर से अर्हताप्राप्त पूर्ण बैंक का लाइसेंस प्राप्त हुआ। यह लाइसेंस किसी विदेशी बैंक को सिंगापुर में 25 शाखाएँ खोलने की अनुमति प्रदान करता है। वर्ष 2007-08 के दौरान भारतीय स्टेट बैंक को न्यूयार्क, यूएसए और माले में और एक-एक शाखा खोलने के लिए स्थानीय विनियामकों से अनुमोदन प्राप्त हुआ। इसके अलावा वर्ष 2007-08 में बैंक को सउदी अरब के जिद्दा में शाखा खोलने की प्रक्रिया शुरू हो गई।

देशीय परिचालन

निर्यात ऋण

बैंक के निर्यात ऋण रु. 26,531 करोड़ हो गए जो पिछले वर्ष से 21% अधिक हैं।

परियोजना निर्यात वित्तपोषण

भारतीय स्टेट बैंक की परियोजना निर्यात कार्यक्रमों के वित्तपोषण में सक्रिय भागीदारी रही है। बैंक टर्न की / लिखित निर्माण निष्पादन तथा लेखा निर्यातों के साथ लाभ अस्थगित भुगतान आधार पर इंजीनियरिंग के सामान के निर्यात से संबद्ध रहा।

अप्रैल 2007 से मार्च 2008 की अवधि के दौरान बैंक ने 31 परियोजना निर्यात प्रस्तावों के लिए 13 देशों में सहायता प्रदान की जिसकी कुल राशि रु. 13,489 करोड़ थी। मार्च 2008 के अंत में बैंक के कुल ऋण रु. 993 करोड़ के थे।

मर्चेट बैंकिंग

बैंक ने समूह विदेशी मुद्रा ऋणों के क्षेत्र में अपनी गतिविधियों को और तेज किया और अप्रैल 2007 से मार्च 2008 की अवधि में 27, 575 मिलियन अमेरिकी डालर के कारपोरेट समूह ऋण सौदों में हिस्सा लिया। इसके अतिरिक्त 933 मिलियन अमेरिकी डालर की विभिन्न द्विपक्षीय सुविधाएं प्रदान की, बैंक ने 22,561 मिलियन अमेरिकी डालर के बिलों और अभिग्रहण के 31 प्रस्तावों में अंशग्रहण किया जिसमें बैंक की सहभागिता 3,038 मिलियन अमेरिकी डालर थी जबकि पिछले वर्ष बैंक ने 5375





G. INTERNATIONAL BANKING GROUP

Operations of Foreign Offices

As on 31.03.2008, the Bank had a network of 84 overseas offices spread over 32 countries covering all time zones.

Net Profit from Bank's overseas operations (including subsidiaries and joint ventures with more than 50% shareholding) registered a growth of 84% during the fiscal year mainly driven by significant growth of 48% in Net Customer Credit.

Resource Management

The bank was able to manage growth despite tight liquidity position in the global markets due to issues arising out of the US sub-prime mortgage crisis. This was because the core focus area remained on primary deposit mobilisation which stood in good stead in this period of extreme volatility.

Despite volatile and challenging global market conditions, the Bank successfully entered the Malaysian Ringgit denominated bond market. This represented first ever MYR bond issue by an Indian borrower in the Malaysian market.

NRI Business

NRI remittances business routed through Bank's foreign offices during the year registered a growth of more than 160%. The online USD and GBP remittance products more than doubled in the year. SBI -Nepal Express Remit has been launched from select Indian branches for enabling speed remittances to Nepal.

Instant Transfer remittance facility, launched in Mar 07, was extended to 51 foreign offices in 18 countries. Internet enabled Instant Transfer was launched from Nepal and Bahrain offices; this product will be extended to other countries shortly.

Tie ups with two exchange companies in Oman and UAE in addition to the existing ten were

operationalised to expand the Bank's outreach in the Middle East and boost remittance business. A tie up with Arab National Bank for remittances from Saudi Arabia was entered into in 2007-08.

Overseas Expansion

SBI became the first Indian bank to receive approval from Monetary Authority of Singapore for Qualifying Full Bank licence, which enables a foreign bank to open up to 25 offices/branches in Singapore. During the year 2007-08, SBI received approval from local regulators to open one more branch each in New York, USA and Male. Besides, process of opening of a branch at Jeddah, Saudi Arabia was initiated in 2007-08.

Domestic Operations

Export Credit

The Bank's outstanding export credit stood at Rs.26,531 crore, thereby registering a growth of more than 21% over previous year.

Project Export Finance

State Bank of India is an active participant in financing project export activities involving bidding and execution of turnkey / civil construction contracts and export of engineering goods on deferred payment basis, as also service exports.

During the period April 2007 to March 2008, the Bank supported 31 project export proposals with contract value aggregating Rs.13,489 crore, in 13 countries. Bank's aggregate exposure as at the end of March 2008 was Rs.993 crore.

Merchant Banking

The Bank further intensified its thrust in the area of syndicated foreign currency loans and participated in corporate syndicated loan deals amounting to USD 27,575 million during April 2007 to March 2008, besides extending several bilateral facilities aggregating US\$ 933 million.





मिलियन अमेरिकी डालर के 13 सौदों में अंशग्रहण किया जिसमें बैंक की सहभागिता 1,073 मिलियन अमेरिकी डालर थी।

आइ एफ आर एशिया द्वारा सामूहिक ऋणों हेतु मैनडेटेड एरेंजर/बुक रनर लीग तालिका में बैंक को एशिया पेसिफिक (जापान और ऑस्ट्रेलिया को छोड़कर) क्षेत्र में प्रथम स्थान प्रदान किया गया।

वैश्विक संपर्क सेवाएं (जीएलएस) कार्यकलाप

बैंक की वैश्विक संपर्क सेवाएं निर्यात भुगतान अन्य विदेशी वसूलियों एवं आवक धनप्रेषणों को सरल बनाता है जिससे विदेशी मुद्रा परिचालन में बैंक की लाभप्रदता बढ़ती है। वित्तीय वर्ष 2007-08 के दौरान जीएलएस ने बैंक की देशी शाखाओं की ओर से 153715 निर्यात बिलों और 232468 विदेशी मुद्रा विनिमय का कुल 19.55 बिलियन अमेरिकी डालर का व्यवसाय किया जबकि विगत वर्ष यह व्यवसाय 13.30 बिलियन अमेरिकी डालर दर्ज किया गया था। इसके अतिरिक्त आवक प्रेषण सुविधा के अंतर्गत जीएलएस ने कुल 764341 लेनदेनों के माध्यम से कुल 914.84 मिलियन अमेरिकी डालर का व्यवसाय किया।

संपर्की संबंध

बैंक के विशाल ग्राहक आधार की जरूरतें पूरी करने और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग क्षेत्र में हमारे विदेश स्थित कार्यालयों के प्रयासों के लिए सहायता देने हेतु बैंक के पास 523 प्रतिष्ठित करेस्पॉण्डेंट बैंकों का नेटवर्क है जो कि 124 देशों में फैले हुए हैं। बैंक ने स्विफ्ट के लिए लगभग 1100 द्विपक्षीय प्रमुख विनिमय व्यवस्थाएं भी शामिल की हैं जिसके जरिए व्यापार, धनप्रेषण आदि से संबंधित वित्तीय संदेशों के बेतार आदान प्रदान में सुविधा हुई है।

देश जोखिम एवं बैंक ऋण जोखिम

भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों के अनुरूप देश जोखिम प्रबंधन नीति बनाई गई। संबंधित ऋण सीमाओं का निर्धारण करने के लिए देश-वार एवं बैंक-वार विस्तृत जोखिम विश्लेषण किया जाता है। देश एवं बैंक ऋण जोखिम सीमाओं (उत्पाद वार) दोनों की ही नियमित आधार पर निगरानी की जाती है।

सहयोगी और अनुषंगियाँ

ज.1 स्टेट बैंक समूह अपने सात सहयोगी बैंकों की 4932 शाखाओं सहित 15118 शाखाओं के नेटवर्क के साथ भारत के बैंकिंग उद्योग का मुख्य हिस्सा है। बैंकिंग के अलावा यह समूह अपनी विभिन्न अनुषंगियों के माध्यम से सभी प्रकार की वित्तीय सेवाएँ प्रदान करता है जिनमें जीवन बीमा, मर्चेन्ट बैंकिंग, म्यूचुअल फंड, क्रेडिट कार्ड, पैक्ट्रिंग, प्रतिभूति क्रय-विक्रय तथा मुद्रा बाजार में प्राथमिक विक्रेता सेवाएँ शामिल हैं।

ज.2 सहयोगी बैंक

मार्च 2008 में बैंक के सात सहयोगी बैंकों का बाजार अंश जमाराशियाँ में 7.29% एवं अग्रिमों में 7.44% था।

तालिका : 9 सहयोगी बैंकों के निष्पादन के उल्लेखनीय तथ्य

	31.03.2008 की स्थिति के अनुसार	वृद्धि (%)
कुल अस्तियाँ	289642	21.07
कुल जमाराशियाँ	234167	19.07
कुल अग्रिम	178375	21.64
परिचालन लाभ	4336	1.03
निवल लाभ	2277	12.11

	31.03.2007 की स्थिति के अनुसार वृद्धि	31.03.2008 की स्थिति के अनुसार वृद्धि
ऋण जमा अनुपात	74.57	76.17
पूँजी पर्याप्तता अनुपात	12.22	12.50
सकल एनपीए	1.83	1.48
निवल एनपीए	0.76	0.61
इक्विटी पर आय	17.71	18.50

ज.3 एसबीआइ कॉमर्शियल एंड इंटरनेशनल बैंक लिमिटेड (एसबीआइसीआइ)

मार्च 2008 के अंत में एसबीआइसीआइ की कुल जमाराशियाँ एवं अग्रिम क्रमशः रु.446.07 करोड़ तथा रु.363.75 करोड़ रहा। वर्ष के दौरान बैंक ने क्रमशः रु.12.37 करोड़ का परिचालन एवं रु.12.85 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया। मार्च 2008 के अंत में निवल अनर्जक आस्ति अनुपात निरंक रहा।





Bank has participated to the extent of US \$ 3,038 million in 31 Merger and Acquisition deals aggregating US \$ 22,561 million in 2007-08 as against participation to the extent of US \$ 1,073 million in 13 deals aggregating US \$ 5,375 million during the previous year.

The Bank was ranked No. 1 in the Asia Pacific (excluding Japan and Australia) in the mandated arranger/book runner league table for syndicated loans by IFR Asia.

Global Link Services Activities (GLS)

GLS of the Bank facilitates export payments, other overseas collections and inward remittances, thereby improving the profitability of the Bank's foreign exchange operations. During the fiscal year 2007-08, GLS, on behalf of domestic branches of the Bank, handled 153715 export bills and 232468 foreign currency checks aggregating USD 19.55 billion during the year against USD 13.30 billion in the previous year. In addition, GLS handled 764,341 transactions amounting to USD 914.84 million under inward remittance facility.

Correspondent Relations

To cater to the needs of a large customer base of the Bank and also to supplement the efforts of our foreign offices in the area of international banking, the Bank has developed a network of correspondent banks numbering 523, consisting of reputed international banks spread over 124 countries. The Bank also has about 1100 Bilateral Key Exchange (BKE) arrangements for SWIFT, which facilitates a seamless flow of financial messages covering trade, remittances, etc.

Country Risk & Bank Exposures

Country risk management policy was formulated in line with the RBI guidelines. Detailed country-wise and bank-wise risk analysis is undertaken to arrive at respective exposure limits. Both country and bank exposure limits (product wise) are being monitored on a regular basis.

H. ASSOCIATES AND SUBSIDIARIES

H.1 The State Bank Group with a network of 15118 branches including 4932 branches of its seven Associate Banks dominates the banking industry in India. In addition to banking, the Group, through its various subsidiaries, provides a whole range of financial services, which include Life Insurance, Merchant Banking, Mutual Funds, Credit Card, Factoring, Security trading and primary dealership in the Money Market.

H.2 Associate Banks

SBI's seven Associate Banks had a market share of 7.29% in deposits and 7.44% in advances in March 2008.

Table : 9 Performance Highlights of Associate Banks (ABs)

	As on 31.03.2008	Growth (%)
Agg. Assets	289642	21.07
Agg. Deposit	234167	19.07
Agg. Advances	178375	21.64
Operating profit	4336	1.03
Net profit	2277	12.11

	Growth % As on 31.03.2007	Growth % As on 31.03.2008
Credit Deposit Ratio	74.57	76.17
Capital Adequacy Ratio	12.22	12.50
Gross NPA	1.83	1.48
Net NPA	0.76	0.61
Return on Equity	17.71	18.50

H.3 SBI Commercial & International Bank Ltd. (SBICI)

As at the end of March 2008, the aggregate deposits and total advances of SBICI stood at Rs. 446.07 crore and Rs. 363.75 crore respectively. The Bank recorded an operating and net profit of Rs.12.37 crore and Rs.12.85 crore respectively. The net NPA as at the end of March 2008 was Nil.

